S-VI

HRM

DSE-III

कार्य विश्लेषण का अर्थ और उद्देश्य

MEANING AND PURPOSE OR AIM OF JOB ANALYSIS

कार्य विश्लेषण या व्यवसाय विश्लेषण वह प्रविधी है जिसके द्वारा किसी व्यवसाय विशेष के लिए अपेक्षित आवश्यकताओं को निर्धारित करने का प्रयास किया जाता है। यह एक तथ्य है कि किसी व्यवसाय या कार्य को सफलतापूर्वक करने के लिए कुछ निश्चित अपेक्षाएं होती है और इन्ही अपेक्षाओं को निर्धारित करने की कार्य विधी को कार्य विश्लेषण कहते है। इन अपेक्षाओं को निर्धारित करने के लिए उस व्यवसाय पर कार्यरत सफल कर्मचारियों का ही विश्लेषण किया जाता है। व्यवसाय विश्लेषण के तीन पक्ष होते है— जिन्हे कार्य पक्ष, परिवेश पक्ष तथा कर्मचारी पक्ष कहते है। इन्ही तीनों पक्षों को ध्यान मे रखते हुए इसे परिभाषित करते हुए Raber 1995 ने बताया कि कार्य विश्लेषण का तात्पर्य किसी दिए गए व्यवसाय के विभिन्न पक्षों के अध्ययन से है इन पक्षों के अंतर्गत कार्य तथा उनसे संबद्ध कर्तव्यों, कर्मचारी के वर्णनीय गुणों की जांच तथा नियोजन की शर्तों यथा वेतन पदोन्नति के अवसर आदी की गणना की जाती है।

इसप्रकार स्पष्ट हो जाता है कि

2. कार्य विश्लेषण वैज्ञानिक अध्ययन की एक कार्य विधी है

ii. जिसके द्वारा यह निर्धारित किया जाता है कि दिए गए कार्य के घटकों कार्य के स्वरूप पदानुसार अपेक्षित कर्तव्य आदि का अध्ययन किस प्रकार किया जाए

iii. कार्य विश्लेषण के माध्यम से व्यवसाय मे कार्यरत कर्मचारियों की योग्यताओं को निर्धारित किया जाता है जिससे पता चलता है कि उस कार्य को सफलता पूर्ण निष्पादित करने के कौन-कौन सी योग्यताए वांछित है।

iv. इसके अंतर्गत किसी कार्य के लिए वेतन, ~~पदोन्नति~~ पदोन्नति के अवसर, उत्तरदायित्व, अवकाश आदि का निर्धारण किया जाता है।

Scanned with CamScanner

उद्देश्य –

कार्य विश्लेषण के भी कुछ उद्देश्य है जिनके कुछ प्रमुख ये अग्रलिखित है –

1. नियोजन के लिए FOR EMPLOYMENT PURPOSE –

कार्य विश्लेषण का उद्देश्य कुछ ऐसे आंकड़ों एवं सूचनाओं को प्राप्त करना है जिससे संस्थान के नए कर्मचारियों को उचित कार्यों पर नियोजित किया जा सके। या पुराने कर्मचारियों को पदोन्नति या स्थानांतरित किया जा सके। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए इसके अंतर्गत व्यवसाय पक्ष तथा व्यक्ति पक्ष का अध्ययन किया जाता है। नियोजन से संबंधित व्यवसाय विश्लेषण का मुख्य उद्देश्य व्यवसाय पहचान कर्मचारी की सामर्थ्य, स्थिति आदि आदि का निर्धारण कर्तव्य का स्वरूप, मशीन मशीन, कार्य परिस्थितियां इत्यादि की सूचनाओं को प्राप्त करना क्योंकि ये सूचनाएं जिस हद तक सही प्राप्त होते हैं उसी हद तक कर्मचारी का नियोजन भी सफल हो पाता है।

2. कार्य विधियों एवं प्रक्रियाओं को उन्नत बनाने हेतु – FOR IMPROVING WORKING METHOD AND PROCESS –

कार्य विश्लेषण का दूसरा उद्देश्य कार्य विधियों को उन्नत बनाना है। जिसके अंतर्गत किसी कार्य पर नियोजित सफल कर्मचारियों के कार्य विधियों का अध्ययन करने से इस बात की जानकारी हो जाती है कि इस कार्य के लिए कौन सी कार्य विधियां उपयुक्त है। इसी आधार पर उस कार्य से संबंधित कार्य करने की अन्य प्रक्रियाओं को सुधारने तथा उन्नत बनाने मे सुविधा होती है। वाइटल्स 1995 का भी मानना है कि व्यवसाय विश्लेषण इस उद्देश्य से किया जाता है कि भिन्न-2 कार्यों के स्वरूप के अनुकूल कार्य की विधियों मे आवश्यक

Scanned with CamScanner

परिवर्तन लाकर उन्हें अधिक उपयुक्त बनाया जा सके

3. स्वास्थ्य तथा सुरक्षा के लिए — FOR HEATH AND SAFETY —
कार्य विश्लेषण का तीसरा उद्देश्य कर्मचारियों के शारीरिक मानसिक स्वास्थ्य की सुरक्षा करना तथा उन्हें संभावित दुर्घटनाओं से बचाना है। इसे ही ध्यान में रखकर कार्य विश्लेषण के अंतर्गत यह निर्धारित किया जाता है कि कार्य परिस्थितियों को किस प्रकार उन्नत बनाया जाए ताकि कर्मचारियों के स्वास्थ्य पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। और वे दुर्घटनाग्रस्त न हो पाये वाइटले 1995 ने भी माना कि कार्य विश्लेषण का यह उद्देश्य कर्मचारी तथा ~~प्रबन्धन~~ प्रबंधन दोनों के हितों के अत्यन्त महत्वपूर्ण है।

IV. कर्मचारी प्रशिक्षण के लिए - FOR TRAINING EMPLOYEES
कार्य विश्लेषण का चौथा लक्ष्य कर्मचारियों के प्रशिक्षण से संबंधित है। यह सर्व विदित है कि किसी कार्य को समुचित रूप से करने के लिए उस कार्य के लिए अपेक्षित बातों की जानकारी कर्मचारी को हो। जिस कर्मचारी को इस बात की जानकारी होती है कि अमुक कार्य को कितने समय में करना है तथा कैसे करना है वही अपने कार्य में अधिक सफल प्रमाणित होते हैं। और ये सारी जानकारियाँ कर्मचारियों को प्रशिक्षण के माध्यम से ही मिल पाती है। इसलिए कार्य विश्लेषण में कर्मचारियों के प्रशिक्षण पर बल दिया जाता है।

इस प्रकार स्पष्ट हो जाता है कि कार्य विश्लेषण के उद्देश्यों की प्राप्ति जिस हद तक संभव हो पाती है संगठनात्मक व्यवहार का लक्ष्य भी उसी हद तक पूरा होता है।

[illegible] सभी जानते हैं कि जिसप्रकार [illegible] व्यापार का लक्ष्य है न्यूनतम लागत से अधिकतम उत्पादन। ठीक उसीतरह यह भी कहा जा सकता है कि कृषि विश्लेषण का लक्ष्य है न्यूनतम लागत से अधिकतम उत्पादन।

Scanned with CamScanner